

Dear Teacher

DAV Centre for Academic Excellence(DAVCAE), a wing of the DAV College Managing Committee, has designed the course material for Classes-LKG to VIII.

This book, titled *My English Reader* (Class-V), has been designed keeping in view the ability of the child at this age. The intent is to develop communicative skills of the child by enhancing the four basic skills—listening, speaking, reading and writing. For developing the listening comprehension, we have developed an audio CD, titled *Listen & Comprehend* (Class-V). The said CD is to be used along with this book.

It is the child's nature to love activity. We have designed the format of the book keeping this characteristic in mind. In each lesson, we have included some activities, both individual and group ones, which should help the child in sharpening the language skills. It has also been our endeavour to select subjects that should interest a child of this class. The contents include topics, such as Growing Up, Books, Where There's A Will, E-Generation and Go Green. Each unit has 'Value Based Questions' and questions based on 'Life Skills'. The objective is to develop in the child, desirable life skills and human values, such as empathy, compassion, justice, love for nature, etc. We have paid particular attention to frame questions that would help develop higher order thinking skills and literary appreciation.

The book has been profusely illustrated so as to engage the child's attention and enhance interest in reading. A work book, titled *English Practice Book* (Class-V), has also been developed to be used along with this book to further help the child in learning the language.

I am grateful to all my seniors, colleagues and practising teachers from different DAV Schools who have made a valuable contribution in developing this book.

I invite feedback and suggestions from students, teachers and parents to further improve the contents and design of this book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

Contents

Unit No.	Topic	Page No.
1.	Growing Up	1-28
2.	Books	29-51
3.	Where There's A Will...	52-77
4.	E-Generation	78-107
5.	Go-Green!!!	108-130



DEAR TEACHER

DAV Centre for Academic Excellence (DAVCAE), a wing of the DAV College Managing Committee has designed the course material for Classes-LKG to VIII.

This book, titled *English Practice Book* (Class-V), has been designed keeping in view, the ability level of the child at this age. Proper linkages have been developed with the Main Course Book, titled *My English Reader* (Class-V), and as such it has to be used along with the same. It will help in giving more practice in learning the language. The teacher is expected to explain the worksheets based on different grammar areas and see whether it is followed correctly by the children. Once it is confirmed, the children should be left to carry on by themselves.

The book has been profusely illustrated so as to engage the child's attention and create interest in it. The picture clues should help the child in comprehension and also in developing the skills of reading.

I am grateful to all my seniors, colleagues and practising teachers from different DAV schools who contributed in developing this book. I invite feedback and suggestions from students, teachers and parents for improving the contents and design of this book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

Contents

S.No	Topic	Page No.
1.	Nouns	1-9
2.	Determiners	10-20
3.	Apostrophe (')	21-27
4.	Comparisons	28-37
5.	Verbs	38-45
6.	Adverbs	46-53
7.	Present Perfect Tense	54-63
8.	Sentences	64-76
9.	Conditionals	77-86
10.	Modals-I	87-95
11.	Modals-II	96-101
12.	Emphasising/Reflexive Pronouns	102-106
13.	Prepositions	107-117
●	Reading for Understanding	118-128

प्रिय शिक्षक

डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र की हमेशा यह कोशिश रही है कि ऐसी पाठ्यचर्या का विकास किया जाए जो बच्चों को बेहतर जीवन जीने में मदद कर सके। भाषा का प्रभावी प्रयोग बच्चों के व्यक्तित्व को भी प्रभावित करता है। इस रूप में भाषा की पाठ्य-पुस्तक एक महत्वपूर्ण साधन है, साध्य नहीं। इसका मतलब है कि भाषा की पाठ्य-पुस्तक को पढ़ा भर देना उद्देश्य नहीं है। हमें यह समझना होगा कि पाठ्य-पुस्तक बच्चों में भाषा-प्रयोग की कुशलता का विकास करने में मदद करती है। भाषा माधुरी पुस्तकमाला बच्चों में इन्हीं भाषायी कुशलताओं का बेहतर विकास करने में मदद करेगी। इस पाठ्य-पुस्तक में बच्चों के परिवेश, उनकी रुचि और स्तर के अनुरूप सामग्री को स्थान दिया गया है। पाठ्य-पुस्तक में गतिविधियाँ और अभ्यास इस प्रकार हैं-

- **पाठ में से** के अंतर्गत ऐसे सवाल दिए गए हैं जो सीधे तौर पर पाठ से जुड़ते हैं। उनके माध्यम से आपको बच्चों की पाठ संबंधी समझ को जानने में मदद मिलेगी।
- **बातचीत के लिए** के सवाल बच्चों के साथ पाठ के बारे में अपनी भाषा में विस्तृत चर्चा करने के अवसर देते हैं। इससे भाषा की कक्षा में बहुभाषिकता को पोषित किया जा सकेगा। याद रखें कि ये सवाल केवल बातचीत के लिए हैं, इन्हें लिखवाएँ नहीं।
- **कल्पना/अनुमान के लिए** के अंतर्गत ऐसे सवालों को रखा गया है जिनसे बच्चों की तार्किक कुशलताओं, उनकी कल्पना, सृजनात्मकता को विकसित होने का अवसर मिल सकेगा।
- **भाषा की बात** के अंतर्गत पाठ की भाषागत बारीकियों को स्थान दिया गया है। कहानी या कविता जिस भाषा के सहारे अपनी अभिव्यक्ति पाती है उस भाषा को समझने और उसका आनंद लेने के लिए भाषा की बात की गई है। भाषा प्रयोगों के व्यावहारिक पक्ष पर बल देने की कोशिश की गई है।
- **जीवन मूल्य में** दिए गए सवाल केवल बातचीत के लिए हैं। बातचीत के जरिए बच्चों में मानवीय संवैधानिक मूल्यों को और अधिक विकसित होने में मदद मिल सकेगी।
- **कुछ करने के लिए** में पाठ से जुड़ी कुछ रोचक और उपयोगी गतिविधियाँ दी गई हैं जिनसे बच्चे कुछ और सोच-विचार कर सकेंगे, अपनी सृजनात्मकता, कलात्मक रुचि का विकास कर सकेंगे।

भाषा माधुरी पुस्तकमाला बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अभिव्यक्ति के आत्मविश्वास का विकास करने में भी सहायक है। पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त बच्चों को रोचक और स्तरानुसार बाल साहित्य भी उपलब्ध कराएँ, उन्हें भी अपनी भाषा-कक्षा का हिस्सा बनाएँ।

मुझे पूरा विश्वास है कि भाषा सीखने-सिखाने की सही और स्पष्ट समझ के आधार पर विकसित भाषा माधुरी पुस्तकमाला की यह कड़ी उपयोगी सिद्ध होगी। साथ ही बच्चों की भाषायी क्षमताओं का विकास करने में सहायक होगी। बच्चे इस पाठ्य-पुस्तक से जुड़ पाएँ-यही इस पाठ्य-पुस्तक की सफलता है।

पुस्तकमाला को अधिक सुसंगत, उपयोगी और रुचिकर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ	पृष्ठ संख्या
1.	दिमागी लड़ाई	1
2.	लौह पुरुष	11
3.	पेड़	18
4.	*पूरे एक हजार	23
5.	दो पहलवान	26
6.	नदी यहाँ पर	35
7.	*पतीले की मृत्यु	41
8.	टपके का डर	43
9.	अजंता की सैर	51
10.	*ये बात समझ में आई नहीं...	58
11.	बिरसा मुंडा	60
12.	अगर न नभ में बादल होते	66
13.	प्रिय पौधा	70
14.	बुद्धिमान राजा	75
15.	अँधेर नगरी	80
16.	चाँद का कुर्ता	90
17.	हार की जीत	93
18.	बेट्टिना का साहस	99
19.	*लौट आया आत्मविश्वास	105
20.	कोशिश करने वालों की हार नहीं होती	107

* केवल पढ़ने के लिए हैं। परीक्षा में इनमें से सवाल नहीं पूछे जाएँगे।

प्रिय शिक्षक

हम सभी जानते हैं कि बच्चे विद्यालय में आने से पहले ही अपनी भाषा का प्रयोग करते हैं। वे अपनी भाषा में कहना-सुनना जानते हैं और अपनी बात को दूसरों तक प्रेषित करने की क्षमता भी रखते हैं। हालाँकि विद्यालय में आने से पहले उनमें व्याकरणिक तत्वों यानी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि की सचेत समझ नहीं होती लेकिन वे विभिन्न संदर्भों में अपनी भाषा का प्रयोग करते समय भाषायी संरचनाओं का बखूबी प्रयोग करते हैं। भाषा अभ्यास पुस्तकमाला में भाषा संबंधी इसी समझ को विस्तार देने की कोशिश की गई है। भाषा अभ्यास पुस्तकमाला में यह प्रयास भी किया गया है कि भाषा-प्रयोग के माध्यम से हिंदी भाषा की संरचना और उस संरचना के सृजनात्मक प्रयोग को बल मिले।

भाषा अभ्यास का उद्देश्य बच्चों में विभिन्न भाषायी क्षमताओं का विकास करना है। विभिन्न सवालों अथवा अभ्यासों के माध्यम से इन क्षमताओं का विकास करने और भाषा-प्रयोग के अवसर जुटाने का प्रयास किया गया है। पाठों से जुड़े विभिन्न व्याकरणिक बिंदुओं को अधिक-से-अधिक अभ्यासों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। साथ ही रचनात्मक गतिविधियों व उदाहरणों के माध्यम से बच्चों की भाषायी सक्रियता को बढ़ावा दिया गया है।

भाषा अभ्यास को उपयोगी और सार्थक बनाने के लिए किसी भी प्रकार के लिखित अभ्यास से पहले बच्चों के साथ मौखिक चर्चा जरूर करें। भाषा अभ्यास के द्वारा बच्चों की अवलोकन-क्षमता और विश्लेषण-क्षमता का विकास करने में आपको मदद मिल सकेगी।

पुस्तक को अधिक सुसंगत, उपयोगी और रुचिकर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

विषय-सूची

क्रम संख्या	पाठ	पृष्ठ संख्या
1.	दिमागी लड़ाई	1
2.	लौह पुरुष	6
3.	पेड़	11
4.	पूरे एक हजार	16
5.	दो पहलवान	17
6.	नदी यहाँ पर	21
7.	पतीले की मृत्यु	25
8.	टपके का डर	26
9.	अजंता की सैर	30
10.	ये बात समझ में आई नहीं...	35
11.	बिरसा मुंडा	36
12.	अगर न नभ में बादल होते	40
13.	प्रिय पौधा	44
14.	बुद्धिमान राजा	48
15.	अँधेर नगरी	51
16.	चाँद का कुर्ता	56
17.	हार की जीत	60
18.	बेट्टिना का साहस	64
19.	लौट आया आत्मविश्वास	69
20.	कोशिश करने वालों की हार नहीं होती	70

प्रिय शिक्षक

यह पुस्तक डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा कक्षा-दूसरी के लिए विकसित पाठ्य-सामग्री के आधार पर तैयार की गई है। 'भाषा-माधुरी' पुस्तकमाला के माध्यम से विद्यार्थियों के क्रमिक भाषिक विकास पर विशेष बल है। इसलिए इसमें ऐसी सामग्री प्रयुक्त की गई है कि विद्यार्थियों को भाषा अध्ययन रुचिकर लगे और वे भाषा के अध्ययन की उपयोगिता अनुभव करें।

'भाषा माधुरी' पुस्तकमाला निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखकर लिखी गई है—

- बच्चे सरलता के साथ हर बात को समझ सकें इसके लिए आस-पास के जीवन से ही पाठ्य-सामग्री विकसित की जाए।
- पाठ्य-सामग्री का क्रम विद्यार्थी की क्रमशः विकसित होती भाषिक संरचना के अनुरूप हो।
- अनावश्यक जटिलता से बचा जाए।
- मात्राओं का ज्ञान वैज्ञानिक विधि द्वारा मोहक चित्रों के माध्यम से हो।
- पुस्तकमाला की एक कड़ी पढ़ने के बाद उस की दूसरी कड़ी के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो।

उपरोलिखित तथ्यों के आधार पर पुस्तक में किंवदंतियों, लोक-कथाओं, बाल-गीतों, बातचीत आदि का प्रयोग किया गया है। ज्ञान-विज्ञान से संबंधित जो सामग्री प्रयुक्त की गई है, वह बच्चों की सहज-स्वाभाविक जिज्ञासा को उभारेगी। कुछ घटनाओं के माध्यम से बच्चों को सामान्य शिष्टाचार तथा लोक-व्यवहार संबंधी प्रशिक्षण देने का प्रयास भी इसमें आपको दिखाई देगा। बच्चों का उच्चारण शुद्ध और वर्तनी ठीक हो, इसके लिए ज-ज, ड-ड़, ढ-ढ़ जैसी सूक्ष्म ध्वनियों को भी स्पष्ट करने का पूरा प्रयास किया गया है।

इस पुस्तक में व्याकरण पाठों में रची-बसी है। उसके सिद्धांत आरोपित न होकर स्वाभाविक ढंग से पाठ्य-सामग्री का अंग बन गए हैं। इन्हें रेखांकित करके उदाहरणों के द्वारा व्याकरण के संबद्ध पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

मुझे पूरा विश्वास है कि 'भाषा माधुरी' पुस्तकमाला की यह कड़ी रोचक एवं सार्थक पाठ्य-सामग्री विकसित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगी।

पुस्तकमाला को अधिक उपयोगी व आकर्षक बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

डॉ. निशा पेशिन

निदेशक (शैक्षिक)

अनुक्रम

पाठ-क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	सीखो	1
2.	ठीक काम करें	3
3.	दादी का गाँव	6
4.	मेहनत का फल	8
5.	जन्मदिन	11
6.	दाँत का दर्द	14
7.	बाल दिवस	17
8.	प्यारे पेड़	20
9.	बादल	23
10.	दो तोते	25
11.	चतुर चीकू	28
12.	सीख	32
13.	मेला	34
14.	रोटी	36
15.	राजू का सपना	38
16.	अभ्यास	41
17.	रेल	44
18.	रोबोट	46
19.	टेलीफ़ोन की घंटी	49
20.	यह दिल्ली है	52

प्रिय शिक्षक

यह पुस्तक डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा निर्मित कक्षा-दूसरी के लिए पाठ्यक्रम निर्देश के अनुसार बनाई गई है। वास्तव में यह पुस्तक एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा बच्चों को स्वाध्ययन हेतु प्रेरित करने की भरपूर कोशिश की गई है। साथ ही यह भी प्रयास किया गया है कि यह पुस्तक उनके मानसिक विकास में सहायक सिद्ध हो।

इस पुस्तक में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा गया है—

1. वही अध्याय लिए गए हैं जिन्हें बच्चे अपने दैनिक जीवन में प्रायः देखते हैं। इस प्रकार बच्चे सरलता के साथ हर बात को समझ सकते हैं।
2. बच्चों को शुद्ध भाषा लिखना और बोलना सिखाने के लिए अधिकाधिक अभ्यास पर बल दिया गया है।
3. सारी पाठ्य-सामग्री क्रमानुसार रखी गई है ताकि बच्चे क्रम-वार अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें अर्थात् बच्चे जितना सीखते जाएँ, उसके आगे सीखने की उनमें स्वयं लालसा जागृत हो।

हमें पूरा विश्वास है कि यह पुस्तक बच्चों की हिंदी भाषा के ज्ञान में पूरी तरह से वृद्धि करेगी और ऊपर लिखित उद्देश्यों को प्राप्त कराने में सहायक सिद्ध होगी।

हम आशा करते हैं कि अध्यापक वर्ग तथा अभिभावक अपने सुझाव हम तक पहुँचाएंगे ताकि इस पुस्तक को ज्यादा आकर्षक व शिक्षाप्रद बनाया जा सके।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

विषय सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
	पुनरावृत्ति	1
1.	सीखो	8
2.	ठीक काम करें	10
3.	दादी का गाँव	13
4.	मेहनत का फल	18
5.	जन्मदिन	22
6.	दाँत का दर्द	25
7.	बाल दिवस	28
8.	प्यारे पेड़	32
9.	बादल	36
10.	दो तोते	39
11.	चतुर चीकू	42
12.	सीख	45
13.	मेला	49
14.	रोटी	52
15.	राजू का सपना	56
16.	अभ्यास	59
17.	रेल	62
18.	रोबोट	65
19.	टेलीफ़ोन की घंटी	69
20.	यह दिल्ली है	72

ఈ పాఠ్యపుస్తకం ద్వారా పిల్లలు సాధించాల్సిన సామర్థ్యాలు

❖ చినడం - ఆలోచించి మాట్లాడడం

- ◆ గేయాలు, పాటలు, కథలు, సంభాషణలు మొదలయిన వాటిని విని అర్థం చేసుకోవాలి. సారాంశాలను క్రమపద్ధతిలో సొంత మాటల్లో చెప్పగలగాలి.
- ◆ చర్చల్లో పాల్గొనగలగాలి. తమ అభిప్రాయాలను చెప్పగలగాలి.
- ◆ చిన్న చిన్న ప్రసంగాలను ఇవ్వాలి, తెలిసిన వాటి గురించి చెప్పగలగాలి.
- ◆ కారణాలు వివరించగలగాలి. సమర్థిస్తూ, విభేదిస్తూ మాట్లాడగలగాలి.

❖ ధారాళంగా చదువడం - అర్థం చేసుకొని చెప్పడం, రాయడం.

- ◆ పద్యాలు, పాటలు, గేయాలు, కథలు, కథానికలు, వ్యాసాలు, సంభాషణలు, గేయకథల వంటి ప్రక్రియా రూపాలను చదువగలగాలి, అర్థం చేసుకొని చెప్పగలగాలి.
- ◆ బాల సాహిత్యం, వార్తా పత్రికలు, మేగజైన్లు, అపరిచిత అంశాలను చదువగలగాలి, అర్థం చేసుకోవాలి.
- ◆ ఇచ్చిన అంశం ఆధారంగా ప్రశ్నలకు జవాబులు రాయడం, ప్రశ్నలు తయారుచేయడం, తప్పిపులు గుర్తించడం, అర్థాలు గ్రహించడం, శీర్షికలు నిర్ణయించడం, విషయాన్ని క్రమపద్ధతిలో ఉంచడం వంటివి చేయగలగాలి.

❖ ఆలోచించి సొంతమాటల్లో రాయడం (స్వీయ రచన)

- ◆ పాఠ్యాలలోని పాత్రల గురించి, స్థలాల గురించి, సంఘటనలు, సారాంశాలు మొదలయిన వాటిని సొంత మాటల్లో రాయగలగాలి.
- ◆ ఇచ్చిన అంశాన్ని వివరిస్తూ, సమర్థిస్తూ లేదా విభేదిస్తూ, తమ అభిప్రాయాలను తెలుపుతూ సొంత మాటల్లో కనీసం 8 వాక్యాలు రాయగలగాలి. అట్లే ఒకటి రెండు పేరాలు రాయగలగాలి.
- ◆ ఊహించి లేదా తానే ఆ స్థానంలో ఉంటే ఏం చేస్తారో రాయగలగాలి. తమ అనుభవాల గురించి, చూసిన సంఘటనలు, పండుగలు, జాతరలు మొదలగు వాటి గురించి రాయగలగాలి.

❖ పదజాలం

- ◆ ఇచ్చిన పదాలను సొంత వాక్యాలలో ఉపయోగించగలగాలి.
- ◆ సందర్భాన్ని బట్టి అర్థాలను గ్రహించగలగాలి. తిరిగి ఉపయోగించగలగాలి.
- ◆ పద పట్టికలు, గళ్ళ నుడికట్టు వంటి భాషా క్రీడల ద్వారా సందర్భోచితంగా పదాలను రాయగలగాలి.

❖ స్వజనాత్మకత / ప్రశంస

- ◆ కథలు, కవితలు, గేయాలను పాడిగించగలగాలి, సొంతంగా రాయగలగాలి. ఆత్మకథలు, నినాదాలు, సూక్తులు, లేఖలు, సంభాషణలు మొదలగువాటిని రాయగలగాలి. నాటకీకరణ చేయగలగాలి.
- ◆ సూచనలకు అనుగుణంగా చిత్రాలను గీయడం, రంగులు వేయడం, వాటి గురించి రాయడం చేయగలగాలి.

❖ భాషను గురించి తెలుసుకుండా

- ◆ భాషా భాగాలను, కాలాలు, విరామ చిహ్నాలను ఉపయోగించగలగాలి, కాలాలకు అనుగుణంగా క్రియలను ఉపయోగించగలగాలి. సమాపక, అసమాపక క్రియలను గుర్తించి ఉపయోగించగలగాలి.

5వ తరగతి - విషయసూచిక

పాఠ్యాంశాలు

క్ర.సం.	పాఠం పేరు	ఇతివృత్తం	ప్రక్రియ	మాసం	పుట
	సంసిద్ధత పాఠాలు	చదువడం-రాయడం	అభ్యాసాలు	జూన్-జూలై	2
1.	మనజెండా	దేశభక్తి	గేయం	ఆగస్టు	19
2.	యాదగిరిగుట్ట	దర్శనీయ స్థలం, సంస్కృతి	వ్యాసం	ఆగస్టు	26
3.	సాలార్‌జంగ్ మ్యూజియం	దర్శనీయ స్థలం, చరిత్ర	దైరీ	సెప్టెంబరు	33
★	ప్యారా హైదరాబాద్	సంస్కృతి	గేయం		42
4.	నీడ ఖరీదు	హాస్యం, మానవ స్వభావం	కథ	అక్టోబరు	43
5.	నీతి పద్యాలు	నైతిక విలువలు	పద్యాలు	నవంబరు	53
★	తెలుగు సంవత్సరాలు	సంస్కృతి	కథనం		61
6.	మనసుంటే మార్గముంటది	వికలాంగుల పట్ల సున్నితత్వం, ఆత్మవిశ్వాసం	లేఖ	నవంబరు	62
★	బోనాలు	సంస్కృతి	వ్యాసం		70
7.	చిట్టాల ఐలమ్మ	స్ఫూర్తి, తెలంగాణ చరిత్ర	గేయం	డిసెంబరు	71
8.	వృథాచేయం	పర్యావరణ స్పృహ	సంభాషణ	జనవరి	79
★	క్రిస్మస్	సంస్కృతి	వ్యాసం		88
9.	గోపి డప్పు	పిల్లల స్వభావం	కథ	ఫిబ్రవరి	89
10.	చింతచెట్టు	పర్యావరణం	స్వగతం	ఫిబ్రవరి	97
	పదాలు - అర్థాలు				107

రెండవ తరగతి పూర్తయ్యేసరికి సాధించాల్సిన సామర్థ్యాలు, అభ్యసనాఫలితాలు

I. విని అర్థం చేసుకోవడం, స్వచ్ఛగా మాట్లాడడం

- ♦ తమ పరిసరాల గురించి, నిత్య వ్యవహారాలకు సంబంధించిన సూచనలు, ప్రశ్నలు విని అర్థం చేసుకోగలగాలి.
- ♦ పరిచిత అంశాలకు చెందిన అభినయ గేయాలు విని అర్థం చేసుకోగలగాలి.
- ♦ తెలిసిన వాటి గురించి తప్పుల్లేకుండా రెండు మూడు వాక్యాలు చెప్పగలగాలి.
- ♦ పల్లె, సంత, ఇల్లు, ఆటలు మొదలగు వాటి గురించి మాట్లాడగలగాలి.
- ♦ గుడింతాక్షరాల మధ్య ధ్వని భేదాన్ని గుర్తించగలగాలి.
- ♦ వర్ణమాల, గుడింతాక్షరాలను, వీటితో ఏర్పడే పదాలను, వాక్యాలను స్పష్టంగా ఉచ్చరించగలగాలి.

II. ధారాళంగా చదువడం, అర్థం చేసుకొని చెప్పడం

- ♦ వర్ణమాల, గుడింతాక్షరాలను విడిగాను, పదాలలోను గుర్తించాలి. స్పష్టోచ్చారణతో చదువగలగాలి.
- ♦ సరళ, గుడింత పదాలను ధారాళంగా చదువగలగాలి.
- ♦ సరళ, గుడింత పదాలతో కూడిన సరళమైన వాక్యాలను చదువగలగాలి, అర్థంచేసుకోగలగాలి.

III. రాయడం.

- ♦ వర్ణమాల, గుడింతాక్షరాలను అందంగా / సౌష్ఠవంగా రాయగలగాలి.
- ♦ పదాలు, వాక్యాలను చూసి అందంగా రాయగలగాలి.
- ♦ సరళ, గుడింత పదాలను తప్పులు లేకుండా అందంగా రాయగలగాలి.

IV. సృజనాత్మకత.

- ♦ పరిచిత బొమ్మలను గీసి, వాటికి రంగులు వేయగలగాలి.
- ♦ పరిచిత అభినయ గేయాలకు అభినయం చేయగలగాలి.
- ♦ బొమ్మల ఆధారంగా సంభాషణ / కథలు చెప్పగలగాలి.
- ♦ ఇచ్చిన అంశం ఆధారంగా అనగా పరిచితమైన సన్నివేశానికి అభినయం చేయగలగాలి.
- ♦ అట్టముక్కలు, పుల్లలు మొదలగు వాటితో నమూనాలు తయారుచేయగలగాలి.

విషయ సూచిక

క్ర. సం.	పాఠం పేరు	నేర్చుకోవాల్సినవి	ప్రీతి యత్న	మాను	పుట
I.	పాడండి 1) భరతమాత 2) చల్చల్ గుర్రం 3) ఎందుకురా? 4) ఏది మేలు?	వినడం, అర్థం చేసుకోవడం, పాడడం, అభినయించడం, మాట్లాడడం	10	జూన్	2 3 4 5
II.	మాట్లాడండి 1) పల్లె 2) సంత 3) ఇల్లు 4) ఆటస్థలం	ఇంటిలో వారి గురించి, సంత గురించి, ఆటల గురించి, పల్లె గురించి మాట్లాడగలగడం	10	జూన్	6 8 10 12
III.	చదువండి - రాయండి 1) వర్ణమాల 2) సరళ పదాలు 3) గుణింతాల పరిచయం	వర్ణమాల, సరళ పదాల పునశ్చరణ, గుణింతాల పరిచయం	20	జూలై	14 16 18
IV.	పాఠాలు 1) వాన (వ) 2) మిరప (ర) 3) చీమ (ి) 4) కుండ (ం) 5) పూలు (ు) 6) గృహం (ృ) 7) నెమలి (ె) 8) జేజే (ే) 9) రైతు (ై) 10) గొడుగు (౉) 11) కోతి (ొ) 12) గొను (ో)	గుణింత పదాలు, వాక్యాలను చదువడం, రాయడం.	8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	ఆగష్టు ఆగష్టు సెప్టెంబర్ సెప్టెంబర్ అక్టోబర్ నవంబర్ నవంబర్ డిసెంబర్ డిసెంబర్ జనవరి ఫిబ్రవరి ఫిబ్రవరి	21 25 30 34 38 42 46 50 54 58 62 66

DEAR TEACHER

Primary Mathematics (Class-V) is designed for the young mathematicians of today's fast changing world. It carries concepts dealt in earlier books and also introduces some new concepts.

The main feature of this book is that the contents are organised in a sequential manner going from simple to complex. Efforts have been made to introduce one concept at a time. The basic objective at this stage is to sharpen skills related to different mathematical areas which can form a base for understanding the mathematics at secondary and higher secondary stage. The book is very much in line with the modern approaches of mathematics teaching, which lays lot of emphasis on experimentation and application. It also combines the functions of a work book along with the text book.

In this book, most of the units start with an introduction, which is meant to help the child to recapitulate the concepts studied in the earlier class. Since value education is an important component of the curriculum, the book caters to the teaching of values through a section titled 'Value Based Question'. This section challenges the child with a real-life situation which enables him to think, to reflect, critically evaluate, appreciate one's own values and those of others so that the concepts ultimately find their ways into behaviours and actions. The situation is followed by the knowledge based and open-ended or hypothetical questions. The teacher is expected to elicit the answers to such questions through discussions and open talks only. At the end of each unit, you will find exercise named 'Brain Teasers', which comprise multiple choice and brain boggling questions. All these exercises will evaluate the understanding and application level of each child. You can guide the children to find answers to these queries through discussions and interactions. The presentation of book is done in such a manner that it helps the child in self-learning, and at the same time, making it interesting.

I am thankful to all people who, in the course of designing this book, made a significant contribution. I acknowledge appreciation for Mr Bimlesh Jha for his valuable feedback on the contents of the book.

I invite feedback and suggestions from teachers, students and parents for the improvement of the book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

CONTENTS

S.No.	Topic	Page No.
1.	Numbers Up to 99,99,99,999	1
2.	Operations on Large Numbers	14
3.	Multiples and Factors	23
4.	Fractional Numbers	44
5.	Decimals	75
6.	Addition and Subtraction of Decimal numbers	91
7.	Multiplication and Division of Decimal Numbers	99
8.	Simplification of Numerical Expressions	115
9.	Rounding Off Numbers	120
10.	Averages	130
11.	Profit and Loss	137
12.	Percentage	146
13.	Simple Interest	158
14.	Bills	168
15.	Temperature	175
16.	Triangles	180
17.	Data Handling	192
	<i>Answers</i>	199

DEAR TEACHER

In Classes-I and II, Environmental Studies has been introduced as an integrated subject and the focus at that stage was on the immediate environment of the child. From Class-III onwards, the subject has been bifurcated in two broad areas, namely (i) General Sciences and (ii) Social Sciences.

This book, dealing with the General Sciences has been titled *My Living World* (Class-V), introduces the child to the study of physical environment on a broader perspective. The flow is similar to that in earlier classes, i.e. going from immediate environment to the distant, and from known to the unknown.

It is the nature of the child to love activity. The format of the book has been designed keeping this characteristic of the child in mind. In each lesson, we have included certain activities which would help the child in self-learning and understanding different concepts.

Each lesson starts with some recapitulative or introductory activity and ends with 'Keywords' along with their meaning or definition. The exercises are prepared in two parts. One is 'Something to Know' comprising some objective type questions, and others where the child is expected to write an answer in his own words. All these exercises will enable you to evaluate the understanding and application level of each child. The other part is 'Something to Do' comprising questions which are an extension to the concept taught. You can guide the child to find answers to these queries through discussions, consulting books in the library and by interacting with the members of the community. You must give credence to the creativity and originality in the child's approach to such questions.

An added feature, of the present series, is the addition of one 'Value Based Question' in each lesson. This is not a 'question' in the usual sense of the term. Here a situation/set up is presented that aims to make students appreciate the role of values in our life and to stimulate discussion on them.

Some interesting yet non-evaluative information has been included under the head 'Do You Know'. Also, a number of illustrations, photographs and pictures have been included in the text book. These would help in providing information and developing concepts in a more lucid manner.

I trust that the children will find the book interesting to read. I am thankful to all who, in the course of designing this book, made a significant contribution.

I would welcome feedback and suggestions from teachers, students and parents for the improvement of the book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

CONTENTS

S.No.	Topic	Page No.
1.	My Body	1-13
2.	Plants	14-27
3.	Forests	28-38
4.	Animals—Our Friends	39-48
5.	Food and Health	49-58
6.	Spoilage and Wastage of Food and Food Preservation	59-67
7.	Importance of Water	68-74
8.	Properties of Water	75-86
9.	Fuels	87-97
10.	Air	98-108
11.	Our Solar System	109-121
12.	Observing the Sky	122-130

DEAR TEACHER

In Classes-I and II, Environmental Studies has been introduced as an integrated subject and the focus at that stage was on the immediate environment of the child. From Class-III onwards, the subject has been bifurcated into two broad areas, namely (i) General Sciences and (ii) Social Sciences.

This book, dealing with Social Sciences has been titled *We And Our World* (Class-V), introduces the child to the study of social environment on a broader basis. The flow is similar to that in earlier classes, i.e. going from immediate environment to the distant and from known to the unknown.

It is the nature of the child to love activity. The format of the book has been designed keeping this characteristic of the child in mind. In each lesson, we have included certain activities to help the child in self-learning and understanding different concepts. In addition, there is some interesting yet non-evaluative information that has been included under the head 'Do You Know?'.
.

At the end of each lesson, you will find exercises titled 'Something to Know' and 'Something to Do'. All these exercises will enable you to evaluate the understanding and application level of each child. You can guide the children to find answers to various queries through discussions, consulting books in the library and by interacting with the members of the community associated with different aspects of life. You must give credence to the creativity and originality in the children's answers to such questions.

The inclusion of value-based questions aims to encourage out of box thinking to inculcate values like confidence, cooperation, harmony, respect for self and others, discipline, team spirit, problem solving and decision-making. The teachers can bring up similar questions and encourage children to share their thoughts.

A number of illustrations and pictures have been included in the text book. These should help in providing information and developing concepts in a more lucid manner. Map reading skill is a part of visual literacy. It helps the child in decoding, comprehending, evaluating and incorporating knowledge. Hence, map skill has been introduced at this stage in very simple form. I trust that the children will find the book interesting to read.

I am thankful to all those people who, in the course of designing this book, made a significant contribution. I would welcome feedback and suggestions from teachers, children and parents for the improvement of the book.

Dr (Mrs) Nisha Peshin
Director
(Academics)

CONTENTS

S.No.	Topic	Page No.
1.	Importance of Family	1
2.	Human Migration	9
3.	Variation in Shelters	18
4.	Sensitivity towards Others	26
5.	Community Services	35
6.	Leisure Time	46
7.	Changing Trends in Occupation	57
8.	Respecting Regional Differences	68
9.	Exploring India	78
10.	Mapping India	88
11.	Transport in Modern Times	98
12.	Communication in Modern Times	108
13.	India's Neighbours	119

CONTENT

S.NO.	CHAPTER NAME	PAGE NO.
1	COMPUTER MEMORY	1-9
2	MS POWERPOINT	10-28
3	SLIDES THEMES AND ANIMATIONS	29-55
4	INTERNET CONCEPTS	56-73
5	MOVIE MAKER	74-88
6	PROGRAMMING CONCEPTS	89-98
7	INKSCAPE	99-116
8	PROJECT-1	117
9	PROJECT-2	118-119
10	ACADEMIC PROJECT	120-124